मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 31
गुरुवार, 07 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पाकिस्तान कांग्रेस की बड़ी भूल, पीओके नेहरू की देन

नईदिल्ली, 06 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में अपने तर्कों से स्पष्ट कर दिया कि भारत की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा नीति किस प्रकार विपक्ष की भूलों को सुधार रही है। कांग्रेस की राजनीति ने देश को जिन घावों का दर्द दिया, वे आज भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के रूप में सामने आते हैं। पंडित नेहरू की ऐतिहासिक भूल ने ढङ्ङ को जन्म दिया और देश का 38,000 वर्ग किलोमीटर हिस्सा चीन को गँवाने का कलंक भी उसी दौर में मिला। 1971 की जीत के बाद भी विपक्षी सरकार ने 15,000 वर्ग किलोमीटर भूमि और ढङ्ङ को कब्जे में लेने का अवसर गँवा दिया, बल्कि पाकिस्तान के 93,000 युद्धबंदियों को छोड़कर इतिहास की सबसे बड़ी रणनीतिक भूल कर दी। विपक्ष के इसी कायरतापूर्ण दृष्टिकोण ने आतंकवाद को पोषित किया। जमात-ए-इस्लामी और हुर्रियत को विपक्ष ने खुला संरक्षण दिया, जिससे पूरी घाटी आतंक की गिरफ्त में आ गई। यही कारण है कि भारत दशकों तक आतंकवाद की आग में झुलसता रहा। बाटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए आतंकी पर आंसू बहाना और शहीद मोहन चंद्र के लिए संवेदना न जताना, यही कांग्रेस की मानसिकता की असली तस्वीर है। लेकिन आज तस्वीर बिल्कुल बदल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अडिग राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की दूरदर्शी रणनीति ने वह कर दिखाया है जो कांग्रेस के लिए असंभव था। देश ही नहीं बल्कि

पूरी दुनिया ने देखा है कि आतंकवाद पर भारत अब डोज़ियर नहीं भेजता, बल्कि मिसाइल भेजता है।

ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार में आधुनिक हथियारों से लैस हमारी सेना पाकिस्तान की पूरी एयर डिफेंस प्रणाली को आधे घंटे में मलबे में बदलने की क्षमता रखती है। दुश्मन के गढ़ में घुसकर नेस्तनाबूद करने वाले ऑपरेशन सिंदूरऔर पहलगाम के खूंखार आतंकियों को मिट्टी में मिलाने वाले ऑपरेशन महादेव ने भारत की अजेय शक्ति का बिगुल बजा दिया। फिर भी विपक्ष ने इन ऐतिहासिक विजयों को अपने तुच्छ राजनीतिक स्वार्थों की धूल में लपेटने की कोशिश की। आज ढङ्ङ की चिंता केवल विपक्ष के बयानों तक सीमित है, लेकिन राष्ट्र जानता है कि उसे वापस लेने का कार्य केवल मोदी सरकार ही कर सकती है। संवेदनशील और निर्णायक नेतृत्व का यह संकल्प अब अटल हो चुका है कि जब तक दुश्मन डरता या सुधरता नहीं, आतंकवाद को जड़ से मिटा दिया जाएगा।

विपक्ष की मायूसी यह दशार्ती है कि आतंकी ठिकानों पर भारत की निर्णायक कार्यवाही उनकी वोट बैंक की राजनीति को चोट पहुँचा रही है। जबकि, आतंकवाद से मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध शाह ने यह साफ कर दिया कि अब भारत आतंकी ठिकानों को जमींदोज करेगा और आतंकवादियों को पनाह देने वालों को बेनकाब करेगा।

एसआईआर भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की है उपजः ममता बनर्जी

कोलकता, 06 अगस्त। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की उपज है।

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित घाटल के दौरे पर आईं बनर्जी ने यह भी कहा कि बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, यह (एसआईआर) योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी। राज्य में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बनर्जी ने दावा किया, यदि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण लागू किया जाता है, तो सभी धर्मों के लोगों को नुकसान होगा। विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि निर्वाचन आयोग की इस कवायद का उद्देश्य बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना है।

बनर्जी ने दोहराया कि पश्चिम बंगाल के प्रवासी कामगारों को अपनी मातृके कारण कुछ राज्यों में उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि चूंकि उन्होंने इस तरह के कृत्यों का विरोध किया है, इसलिए कुछ हलकों में यह मांग उठ रही है कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू करने की कोशिशें चल रही हैं।

अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को चाईबासा कोर्ट से जमानत मिली

चाईबासा, 06 अगस्त। झारखंड के चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में जमानत दे दी। राहुल गांधी के अदालत में पेशी के लिए आगमन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने चाईबासा में सुरक्षा बढ़ा दी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है। अधिकारियों के अनुसार, राहुल गांधी रांची से हेलीकॉप्टर द्वारा चाईबासा पहुँचे। उन्होंने बताया कि इसके लिए टाटा

कॉलेज मैदान में एक हेलीपैड बनाया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता मंगलवार को झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा पहुंचे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले में बुधवार को झारखंड के चाईबासा स्थित सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत में पेश हुए। रांची के सर्किट हाउस से जिस अदालत में वह पहुंचे, उसके अंदर आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गांधी ने दो जून को झारखंड उच्च न्यायालय में विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। कांग्रेस सांसद के वकील ने 10 जून को उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उनके मुवक्किल निर्धारित दिन पर पेश नहीं हो पाएंगे और इसके बजाय उन्होंने छह अगस्त की अगली तारीख देने का अनुरोध किया था।

गंगा का जलस्तर थमा, लेकिन मुश्किलें बरकरार, बीमारी का खतरा बढ़ा

वाराणसी। बनारस ने राहत की सांस तो ली है, लेकिन मुश्किलें अब भी कम नहीं हुई हैं। बीते एक सप्ताह से लगातार बढ़ते गंगा के जलस्तर ने जिस तरह काशी की सांसें अटका दी थीं, उसमें अब कमी आई है। केंद्रीय जल आयोग, राजघाट द्वारा बुधवार रात 8 बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, गंगा का जलस्तर 71.98 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान 71.262 मीटर से थोड़ा ही ऊपर है। साथ ही, 2 सेमी प्रति घंटे की गिरावट दर्ज की गई है, जो इस संकट में एक बड़ी राहत का संकेत है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि गंगा उतर रही है या नहीं, सवाल यह है कि गंगा के साथ जो विपदाएं आईं, उनका मलबा कितनी जल्दी हटेगा? क्योंकि

पानी उतरने के बाद जो बीमारियों और गंदगी का दौर शुरू होता है, वह कहीं अधिक जटिल, दीर्घकालिक और खतरनाक होता है। वाराणसी के अनेक मोहल्लों में अब भी गली-गली पानी भरा है। आदमपुर, सरैया, अस्सी, नगवा, लहरतारा, वरुणा पार क्षेत्र, करौंदी और शास्त्रीनगर जैसे क्षेत्रों में जलभराव बना हुआ है। कई घरों के भीतर तक कीचड़ और सड़ा हुआ पानी घुस चुका है। नगर निगम और जलकल की टीमें अपनी सीमित संसाधनों के साथ प्रयासरत हैं, परंतु सच्चाई यह है कि जलमग्न मोहल्लों को पूरी तरह सामान्य स्थिति में लाने में कम से कम दो सप्ताह का समय लग सकता है। इस बीच डायरिया, टाइफाइड, वायरल फीवर, स्किन रोग, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां पांव पसारने लगी हैं। जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जलजनित बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। साफ पानी और शौचालयों की अनुपलब्धता से हालात और बिगड़ सकते हैं। बता दें, गंगा नदी का जलस्तर बुधवार रात को राहतकारी संकेत देते हुए धीरे-धीरे घटने लगा है। अच्छी बात यह रही कि जलस्तर में 2 सेमी प्रति घंटे की दर से गिरावट जारी है, लेकिन बाढ़ की मार झेल रहे शहर के लिए यह केवल एक पड़ाव है, असली चुनौती अभी बाकी है। वह है मुहल्लों में फैली गंदगी, जलभराव, टूटे रास्ते, बदबू और संक्रमण का खतरा, जो लोगों की चिंता का कारण बन गया है। कई इलाकों में अब भी कमर तक पानी जमा है, नालियों से गंदा पानी सड़कों पर फैला हुआ है। आदमपुर, नगवा, मैदागिन, वरुणा पार क्षेत्र और अस्सी के कई हिस्सों में घरों में घुसे पानी से लोग अभी भी जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाढ़ के पानी के उतरने के साथ ही जलजनित और संक्रामक बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ सकता है। डायरिया, टाइफाइड, स्किन इंफेक्शन, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा उन इलाकों में सबसे ज्यादा है जहां पानी लंबे समय तक जमा रहा।

भारत छोड़ो की तर्ज पर अब कॉर्पोरेट छोड़ो, बिजली कर्मियों ने भरी हुंकार

- पॉवर सेक्टर में पॉवर प्ले, कर्मचारी बोले - नहीं चाहिए मुनाफाखोर कंपनी
- बिजली बिल से बड़ी चिंता, जवाबदेही का अंत

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर बनारस में बिजली कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शाम 5 बजे कार्यालय अवकाश के बाद समस्त कार्यालयों पर एक साथ जुटे विद्युतकर्मियों ने बिजली के निजीकरण और उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों के खिलाफ नारेबाजी की। समिति ने ऐलान किया है कि आंदोलन अब लगातार जारी रहेगा और 8 अगस्त से कॉर्पोरेट घरानों - पॉवर सेक्टर छोड़ो अभियान शुरू होगा।

संघर्ष समिति के वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था के बिगड़ने का मुख्य कारण निर्दोष संविदा कर्मियों की बर्खास्तगी, हजारों कर्मचारियों का बेमौसम ट्रांसफर, और निजीकरण का खतरा है, जिससे कर्मचारियों में भारी असंतोष है। उन्होंने कहा कि यदि निजी कंपनियों की व्यवस्था इतनी ही बेहतर होती, तो मध्यप्रदेश, बिहार और हिमाचल जैसी सरकारें बिजली का निजीकरण रद्द क्यों करतीं? वक्ताओं ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के ऊर्जा मंत्री खुद यह दावा करते हैं कि उत्तर प्रदेश 31000 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति कर रहा है, नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, और लाइनों का जाल बिछ रहा है, तो फिर अचानक यह सिस्टम क्यों चरमराया? इसका सीधा उत्तर है द कर्मचारियों को हतोत्साहित करने की नीति और निजीकरण की तैयारी। बिजली कर्मचारियों ने स्वतंत्रता संग्राम की भावना को पुनर्जीवित करते हुए घोषणा की कि 8 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रतिदिन तिरंगा यात्रा व जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से आम जनता को निजीकरण के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा। संघर्ष समिति ने बताया कि जल्द ही बनारस सहित प्रदेशभर के विधायकों और सांसदों को ज्ञापन सौंपकर निजीकरण प्रस्ताव को मानसून सत्र में निरस्त कराने की मांग की जाएगी। वक्ताओं ने चेताया कि यदि निजी कंपनियां आईं, तो न सिर्फ जनप्रतिनिधियों का नियंत्रण समाप्त हो जाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं पर मनमाने बिजली बिल, सरचार्ज और महंगाई का बोझ लाद दिया जाएगा।

राज्यसभा में पूर्व सदस्य सत्यपाल मलिक को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को पूर्व सदस्य दिवंगत सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को नयी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे।

उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति ने मलिक के निधन का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने उच्च सदन में उत्तर प्रदेश का दो बार, 1982 से 1989 तक प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई 1946 को जन्मे मलिक ने नौवीं लोकसभा में अलीगढ़ का प्रतिनिधित्व किया था।

रक्षाबंधनः नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

–ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दशार्ती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है। रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में अवनी अविट्टम के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को बलेव के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा। आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

कुदरती दहाड़, दरकते पहाड़

-विक्रम दयाल

गर्मी से तपती जमीन, तड़पते पशु-पंछी इंसान और किसानों को बारिस की फुहार से ही ठंडक मिलती है। और जीवन का सही आनंद भी मिलता है। लोग गर्मी से निजात पाने के लिए बड़ी बेसब्री से वर्षाऋतु के आगमन का इंतजार करते हैं। लेकिन जब बरसात आती है तो अपने साथ बहुत सारे उत्पात भी लेकर आती है। जिससे जमीन पर रहने वाले प्राणियों के लिए खतरा बन जाता है। तब लोग बारिस से बचने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाने को मजबूर हो जाते हैं। उत्तराखंड, उत्तरकाशी, में पहाड़ तोड़, बादल फोड़ की तबाही विनाश के रूप में बदल गई है। पानी का रौद्र रूप, गंगा में उफान, बादल फटे, जैसे फट गया पहाड़ों पर आसमान ।मलवे के अंदर समा गये सैकड़ों घरबार, चारो तरफ मचगई त्राहीमाम् त्राहिमाम् बहती नदियाँ लेकर आई मौत की चीख पुकार। कुदरत के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा आज बुरी तरह से पहाड़ो और मैदानी इलाकों मे रहने वाले लेग भोग रहें हैं। यह उत्तराखंड की ही बात नही है पूरे भारत के समुद्र तटीय क्षेत्रों से लेकर पर्वतीय क्षेत्रों की बात है। जमीने धंस गई, सड़के धंस गई, इमारते ढह गई, घर और मकान पानी के बहती धारा में बह गये। बहुत ही भयानक कुदरती प्रकोप का दृश्य पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानों क्षेत्रों तक देखने को मिल रहा है। उफान पर बहती नदियाँ, पर्वत से निकलते भयानक झरनों को देखकर मन विचलित हो जाता है। कहीं कहीं पर नदियों तेज धारा में बहते लोग, जड़ से उखड़कर बहते पेड़, पानी के रेला में बहते ट्रक, बस, स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और लासें देखकर कलेजा फट जाता है। कहा जाता है किझकुदरती आग, पानी और हवा के आगे किसी का वस नही चलता है. कुदरती जोर में इंसानी सोर हवा हो जाती है। ऋतुओं का आना जाना कभी बंद नही होगा ।परन्तु कुदरती शोभा को नुकसान,अगर इंसान करते रहेगा तो उसकी भरपाई भी, इंसान को ही करना पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण को बचाना हमारा परम कर्तव्य है। धरती के आंचल को खाली नही रखना है उसे पेड़ पौधों और बाग बगीचों से हमेशा ढंक कर रखना पड़ेगा। कुदरती उत्पात से बचने के लिए हमें पर्यावरण का सहारा लेना ही पड़ेगा। पर्यावरण का संरक्षण भी करना पड़ेगा।

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ और ग्लोबल वॉर्मिंग के परिणाम है बादलों का फटना ?

अशोक भाटिया

उत्तरकाशी जिले में एक गांव धराली, जिससे लगा हुआ इलाका है खीरगंगा। ट्रैकिंग पर जाने वालों के लिए सबसे पसंदीदा जगह। 5 अगस्त को अचानक यहां बादल फटा। फिर पलक झपकते सारा का सारा इलाका बह गया। मकान तिनकों की तरह उखड़ गए। बाजार, बस्तियां, इंसान और मवेशी सभी उसमें बह गए। बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। जिस छोटे से पहाड़ी नाले ने इस भयावह आपदा को जन्म दिया उसे स्थानीय लोग खीर गाड़ भी कहते हैं। यह एक छोटा पहाड़ी नाला है जो 10-12 किलोमीटर ऊपर की पहाड़ियों के पन ढालों से निकलने वाली कई जलधाराओं से मिलकर बनता है। बरसात को छोड़कर साल के ज्यादातर मौसम में इसमें बहुत कम पानी रहता है। इसी के जल ग्रहण क्षेत्र में कहीं बादल फटने के कारण अचानक तेज गति के साथ बहने वाले पानी ने अपने साथ आई गाद, मिट्टी और पत्थरों के जरिए धराली को तबाह कर दिया। इस तबाही को लाने वाले सैलाब की गति इतनी तीव्र थी कि इसने थराली के लोगों को जान बचाने का भी मौका नहीं दिया। भागते-भागते लोग इस तबाही की चपेट में आ गए।

खीर गाड़ या खीर गंगा जहां पर भागीरथी से मिलती है, उसी जगह पर धराली की बसासत है। 1990 से पहले भटवाड़ी गंगोत्री मोटर मार्ग पर धराली बहुत छोटी बस्ती थी। एफसीआई के एक-दो गोदाम, पंचायत भवन, 2-4 कच्ची पक्की दुकानें और एक स्कूल के अलावा वहां पर कुछ नहीं था। वहां से एक पैदल रास्ता मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखवा के लिए जाता था। जिस पर खीर गाड़ पार करने के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे दो-तीन पुल बने हुए थे और खीर गंगा वहां पर लगभग चार पांच सौ मीटर के दायरे में फैली हुई थी। इस पूरी दूरी में बड़े छोटे पत्थरों का जमावड़ा था और उनके बीच में कहीं-कहीं बहुत छोटी-छोटी जलधाराएं दिखाई देती थी। पत्थरों और रेत के उस विशाल रौखड़ से यह तो अवश्य लगता था कि पूर्व में कभी ना कभी इस नदी ने वहां पर अपना प्रचंड रूप दिखाया होगा और पत्थरों के रूप में प्रकृति ने अपनी चेतावनी छोड़ दी होगी। लेकिन हाल के वर्षों में पर्यटन की अंधी दौड़ और सैलानियों के प्रवाह ने स्थानीय लोगों को उस चेतावनी को भूलने पर मजबूर कर दिया। आपदा के प्रारंभिक वीडियो में साफ दिखता है की पानी के प्रवाह में आने वाले ज्यादातर भवन इस इलाके में बने हैं जिसे प्रकृति ने अपनी चेतावनी के रूप में छोड़ा था। आपदा की चपेट में आने वाले अधिसंख्य भवन होमस्टे या स्थानीय लोगों के छोटे-छोटे होटल हैं। कुछ बड़े होटल भी आपदा की चपेट में आए हैं और आपदा का शिकार होने वाले ज्यादातर भवन नए बने हुए हैं।

बहुत तीव्र ढलान में बहने वाली खीरगाड़ का जलागम क्षेत्र बहुत अस्थिर नहीं है और वहां किसी तरह का मानवीय दखल भी नहीं है। हर की दून की तरफ जाने वाले कुछ पर्वतारोहियों और स्थानीय पशु चारकों के अलावा उस इलाके में लोगों की ज्यादा आवाजाही भी नहीं है। इसलिए प्रारंभिक तौर पर यह कहा जा सकता है कि आपदा का जन्म प्राकृतिक कारणों से हुआ है, लेकिन आपदा का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिस इलाके में हुआ वह प्रकृति के साथ मानवीय घुसपैठ का परिणाम है।खीर गंगा के अलावा हरसिल के ऊपरी इलाकों में भी कुछ छोटी नदियों में इसी तरह की बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ सैनिक इलाकों को भी नुकसान की खबरें हैं और इन सबसे ज्यादा डराने वाली खबर यह है कि हरसिल के पास भागीरथी का प्रवाह थम सा गया है और वहां पर एक झील बनने की आशंका है।

बताया जाता है कि उत्तराखंड में बादल फटने की तबाही हर साल होती है। आखिर पहाड़ी ऊंचे इलाकों पर इतने ज्यादा बादल क्यों फटते हैं।इससे पहले बरसात के इस मौसम में हिमाचल प्रदेश में कई बादल फटने से तबाही की खबरें आ चुकी हैं। जब बादल फटते हैं तो अचानक अथाह पानी दावानल बनकर टूट पड़ता है। इससे इतनी तेज फोर्स के साथ अचानक बाढ़ आती सबकुछ बहा ले जाती है। कुछ नहीं बचता। मकान के मकान ताश के पत्तों की तरह उड़ जाते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाओं में एक दशक के भीतर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। एक अनुमान के मुताबिक, अब उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ों में डेढ़ गुना से ज्यादा बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं मॉनसून की बारिश के दौरान ही होती हैं। जानते हैं कि ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी क्यों हो रही है? साथ ही जानते हैं कि बादल कैसे, कब और क्यों फटता है? विज्ञान के मुताबिक, मौसम फटने की घटना क्या है? बादल फटना कितना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है? साथ ही जानते हैं कि इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

बादल फटना भारी बारिश की गतिविधि को कहते हैं। हालांकि, बहुत भारी बारिश की सभी घटनाएं बादल फटना नहीं होतीं। बादल फटने की एक बहुत ही विशिष्ट परिभाषा हैः लगभग 10 किमी ७10 किमी क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेमी या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में वगीकृत किया जाता है। इस परिभाषा के अनुसार, उसी क्षेत्र में आधे घंटे की अवधि में 5 सेमी बारिश को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जाएगा।बादल फटने की घटना के दौरान, किसी स्थान पर एक घंटे के भीतर वार्षिक वर्षा का लगभग 10% वर्षा हो जाती है। औसतन, भारत में किसी भी स्थान पर एक साल में लगभग 116 सेमी वर्षा होने की उम्मीद की जा सकती है।

बादल फटना कोई असामान्य घटना नहीं है, खासकर मानसून के महीनों में। ये घटनाएं ज्यादातर हिमालयी राज्यों में होती हैं जहां स्थानीय स्थलाकृति, विंड सिस्टम और निचले व ऊपरी वायुमंडल के बीच टेम्परेचर ग्रेडिएंट ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, हर घटना जिसे बादल फटना कहा जाता है, वास्तव में परिभाषा के अनुसार बादल फटना नहीं होती। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये घटनाएँ काफी लोकल होती हैं। ये बहुत छोटे क्षेत्रों में होती हैं जहां अक्सर बारिश मापने वाले उपकरण नहीं होते।

इसके अलावा साल 2023 में जारी एक शोध पत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जम्मू और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (NIH) रुड़की के शोधकर्ताओं ने बादल फटने की घटना को एक छोटी-सी अवधि में 100-250 मिलीमीटर प्रति घंटे की दर से अचानक होने वाली बारिश के रूप में परिभाषित किया है, जो एक वर्ग किलोमीटर के छोटे-से दायरे में दर्ज की जाती है। इस शोधपत्र को इंटरनेशल हैंडबुक ऑफ डिजास्टर रिसर्च में प्रकाशित किया गया है।

गंगा के मायके में भागीरथी नदी का यह जल ग्रहण क्षेत्र पहले भी इस तरह की घटनाओं का गवाह रहा है। 6 अगस्त 1978 को धराली से कुछ किलोमीटर नीचे भागीरथी नदी की ही एक बहुत छोटी सहायक कनोडिया गाड़ में बादल फटने के कारण एक अस्थाई अवरोध बन गया था ।जिसने टूट कर अंततः भागीरथी के जल प्रवाह को रोक दिया और बाद में 6 और 10 अगस्त को वह पूरी भागीरथी घाटी में एक बहुत बड़ी बाढ़ के रूप में तबाही लेकर आया था ।

17 जून 2013 को भी उत्तराखंड में अचानक हुई मूसलधार वर्षा 340 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गयी जो सामान्य 65।9 मिमी से 375 प्रतिशत ज्यादा थी। जिसके कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। इसी दौरान अचानक उत्तरकाशी के डोडी ताल इलाके में बादल फटने के बाद असी गंगा और भागीरथी में जल स्तर बढ़ गया था। लगातार होती रही बारिश की वजह से गंगा और यमुना का जल स्तर भी तेजी से बढ़ा। कुमाऊं हो या गढ़वाल मंडल, बारिश ने हर जगह तबाही मचाई। 16 और 17 जून 2013 को केदारनाथ क्षेत्र में सर्वाधिक तबाही हुई। केदारनाथ मंदिर सहित पूरी केदार घाटी में तीर्थयात्रियों सहित 5000 से अधिक लोगों की जान गई। हजारों घर, पुल, सड़कें और गांव तबाह हो गए।

इस वर्ष भी अब तक ऐसी अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट-यमुनोत्री मार्ग पर बलिगढ़ में 28 जून की रात को बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई।इस प्राकृतिक आपदा के कारण एक निमार्णाधीन होटल को व्यापक नुकसान पहुंचा है। घटना में 9 मजदूरों की जान चली गई। बादल फटने के कारण अचानक बढ़ गए पानी ने यमुनोत्री हाइवे को भी भारी नुकसान पहुंचाया। रुद्रप्रयाग और चमोली जनपद में स्थित बद्रीनाथ और केदारनाथ क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण मंदाकिनी और अलकनंदा नदी घाटियों में भी बादल फटने और भूस्खलन की अनेक घटनाएं हुई हैं। बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में भी बादल फटने से तबाही के समाचार हैं। इन घटनाओं में जनधन की भारी हानि हुई है।अनेक इलाकों में खेती की जमीन खत्म हो गई है और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी है।

बादल फटने और फ्लैश फ्लड जैसी घटनाएं एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्लोबल वार्मिंग और प्रकृति से छेड़छाड़ दोनों ही भूमिका निभाते हैं। इसके लिए जलवायु परिवर्तन को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है ।फ्लैश फ्लड एक ऐसी आपदा है जो अचानक आती है और भारी नुकसान करती है। मंडी जैसी घटनाएं हमें सिखाती हैं कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ और ग्लोबल वॉर्मिंग के परिणाम कितने खतरनाक हो सकते हैं। लेकिन अगर प्रशासन और लोग मिलकर पहले से तैयारी करें, तो इस तरह की आपदाओं के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम की सटीक जानकारी, बेहतर जल प्रबंधन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे कदम हमें इस मुसीबत से लड़ने में मदद कर सकते हैं। आइए, हम सब मिलकर अपनी धरती और अपने लोगों को सुरक्षित रखने की कोशिश करें।

ताकि भगदड़ के हादसों पर लग सके लगाम

भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाइस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं।

भगदड़ की घटनाओं के लिए नागरिक बोध की कमी को पहला कारण माना जाता है। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती है। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन-फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। दुनिया की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसे भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निबटने की सोच से लगातार लैस रहता है। मेले-ठेले में जाने वाले लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है, लेकिन जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। जबकि होना यह चाहिए कि मेले की ओर जान वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही ना घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेट वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेट का कोई मतलब नहीं रह जाता। फिर रेला लोगों को धकियाते आगे बढ़ने लगता है। इस बीच कोई गिर गया तो पीछे वाले के पास ना तो इतना वक्त होता है कि वह समझ पाए ना ही इतनी क्षमता कि पीछे वाली भीड़ को रोक पाए। वह सामने गिरे व्यक्ति के शरीर की ओर अपना पैर बढ़ाने से रोक भी नहीं पाता। इसी दौरान गिरे हुए लोग दूसरे लोगों के पांवों से कुचलते चले जाते हैं। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेट पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं कि कौन गिरा है और किसके पेट,पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है।

भगदड़ के बारे में एक अवधारणा रही है कि गरीब-गुरबा और अशिक्षित लोग ही इसके शिकार बनते हैं। लेकिन यह अधूरा सच है। यह सच है कि उत्तर भारत के मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ में ज्यादार निम्न मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। हालांकि दक्षिण के भी कई मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में वीआईपी संस्कृति का तड़का रहता है। लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्तर में यह संस्कृति ज्यादा है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले-ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं।

इसमें दो राय नहीं कि भारत की एक बड़ी समस्या भारत की बड़ी जनसंख्या भी है। हालांकि आज की राजनीति का एक हिस्सा इसे समस्या नहीं मानती। क्योंकि उसका आधार वोट इसी भीड़तंत्र से ही विकसित होता है। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। प्रशासनिक तंत्र इस मानस के आगे कभी रसूख देख झुक जाता है तो कभी वह सोच भी नहीं पाता कि इसके नकारात्मक असर क्या-क्या हो सकते हैं। ऐसे में कई बार पिछड़ती हुई भीड़ अपना आपा भी खो देती है। भारत का एक बड़ा हिस्सा अरसे तक चूंकि गरीबी की मार झेलता रहा है, इसलिए उसके अवचेतन में कुछ पाने की चाह में दूसरों को पीछे छोड़ने की सोच हावी रहती है। इसमें अगर अफवाह अगर मिल जाती है तो हालात भयावह हो जाते हैं। कह सकते हैं कि संस्कार और सोच की कमी, व्यवस्था को सुचारू बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले तंत्र की कल्पनाहीनता और घनी जनसंख्या का कोलाज के सामने उनके बेपटरी होने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसा जब होता है तो हादसों के रूप में उसका भयावह नतीजा सामने आता है।

ऐसे में सवाल यह है कि क्या ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती कि देश के भीड़भाड़ वाले आयोजन बिना किसी भगदड़ या अव्यवस्था के संपन्न हो सकें। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकम्मल नीति बनाने और उसे कड़ाई से लागू करने की जरूरत है। हमें पता है कि आज के दौर की हर कठिन राह को तकनीक नेआसान की है। इसने तमाम समस्याओं के समाधान की नई राहें भी निकाली हैं। नीतिगत स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को तकनीक के इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाना होगा। प्रशासनिक तंत्र को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल से वे ठीक से पता लगा पाएं कि किस बिंदु पर भीड़ को रोका जाना चाहिए, कहां बैरिकेटिंग करके भीड़ को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रशासनिक तंत्र की सोच में कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भी तैयार करना होगा। प्रशासनिक तंत्र समस्याओं का अनुमान लगाने वाला मानस विकसित कर सके, इसके लिए भी जरूरी इंतजाम करना होगा। इसके साथ ही, भीड़ को अनुशासित करने के लिए दो स्तरों पर काम करना होगा। स्कूली स्तर से ही इस दिशा में शिक्षा और संस्कार देना होगा। साथ ही, आम लोगों को पीछे छोड़ने या किनारे रखने वाली वीआईपी संस्कृति पर पूरी तरह रोक लगाना भी इस दिशा में बेहद जरूरी कदम होना चाहिए। इसके साथ ही अफवाहों पर लगाम लगाने के मुकम्मल इंतजाम होने चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में अपनी भीड़ को सुरक्षित और बेहतर आयोजन का उपहार दे पाएंगे।

-उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही ह्वरणनीतिक स्वायत्तताह्व है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। ह्वमाई फ्रेंड डोनाल्डह्व जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है— जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी— जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि अनुचित और अविवेकपूर्ण भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाजी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की नव-उपनिवेशवादी नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है। बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न, भक्तिमय माहौल में गूंजे हर-हर महादेव के जयघोष

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर स्थित काशी विश्वनाथ शिव मंदिर में सोमवार को भव्य रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में संपन्न हुआ। तुलसी राम केवट जो शीतला माता मंदिर एवं काशी विश्वनाथ शिव मंदिर के भी संस्थापक अध्यक्ष हैं, ने स्वयं भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर नगरवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर शिव तेज मित्र मंडल के विशेष सहयोग से कार्यक्रम को भक्ति एवं श्रद्धा से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया। मंदिर परिसर ह्रहर हर महादेवह्न और ह्रबोल बमह्न के जयकारों से गूंज उठा। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से पत्रकार उमाकांत भारती, धर्मेंद्र शाह, राजेश बिंद, सर्वेश सिंह, केशव यादव, मूरत सिंह, बृज लाल, राजीव रंजन सिंह, मायाराम गुप्ता, हरिराम विश्वकर्मा, आनंद महतो, सूर्य नारायण चौधरी, राजीव यादव, बजरंग राय, राकेश राय, सुमित सिंह, बाबू सिंह, संजय बावरे, आनंद परडवाल, शिवाजी कदम, सुनील लांडे, बीरेंद्र सरोज, रामसिंह, विनय पांडे, संजय मास्टर, पप्पू सिंह, राय मास्टर, गौरी भाई, राजू पाठक, नीलगम जी, पवन यादव, रामचंद्र चौरसिया, कृष्णा साहनी, बिंदु गुप्ता, गोलू पंडित, शिव लाल गुप्ता, बंसी गुप्ता, राम फेर वर्मा, संत मल्लाह, कुंदन ओझा, आर. के. सिंह, मुन्ना ठाकुर, राकेश शर्मा, दूधनाथ शाह, सुबोध पाण्डेय, मुन्ना ओझा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ-साथ सामूहिक भजन-कीर्तन में भी भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। आयोजकों ने श्रद्धालुओं को शिव भक्ति एवं सामाजिक सेवा के लिए प्रेरित किया।

आर्थिक समावेशन अभियान के तहत घाटीम में बैंकिंग शिविर का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। आर्थिक समावेशन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर घाटीम ग्राम पंचायत में तीन माह की व्यापक मुहिम के अंतर्गत एक दिवसीय बैंकिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह राज्यव्यापी मुहिम 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक चलाई जा रही है। इसी कड़ी में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और ठाणे जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में यह शिविर आयोजित किया गया।

इस विशेष शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की क्षेत्रीय संचालक सुमन रे और उपमहाप्रबंधक डॉ. ज्योति सक्सेना (डीजीएम, आरबीआई) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए केवाईसी प्रक्रिया और आर्थिक साक्षरता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पालघर जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक विशाल वाघ ने ग्रामीणों को ऑनलाइन और ऑफलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं आर्थिक साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी सरकारी बीमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। शिविर में बैंक ऑफ इंडिया, ठाणे जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी, घाटीम ग्रामपंचायत के सरपंच, सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विभिन्न बैंकिंग योजनाओं का लाभ उठाने के लिए उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कांवड़ यात्रा, भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा : संजय सिंह

मुंबई। सावन के पवित्र माह में एक अनोखी और अभूतपूर्व कावड़ यात्रा कुर्ला (ईस्ट) में देखने को मिली। यात्रा में हर उम्र की महिलाएँ भारी संख्या में शामिल हुई, भक्तों के हाथों में त्रिशूल और माथे पर भस्म लगाकर आस्था का अद्भुत प्रदर्शन किया हर हर महादेव से वातावरण शिवमय हो गया, कावड़ यात्रा का भव्य आयोजन उत्तर भारतीय संघ कार्यसमिति सदस्य महेश गुप्ता द्वारा आयोजित की गई जो वात्सल्य नाइक नगर जय भवानी मंदिर कुर्ला से प्रारंभ होकर अंबरनाथ तक पहुंची प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर भारतीय संघ उपाध्यक्ष संजय सिंह यात्रा में शामिल हुए भक्तों को शुभकामनाए दी उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा की धार्मिक यात्रा है। इस अवसर पर यश महेश गुप्ता, पत्रकार सुभाष गिरी, दिलीप तिवारी दिलीप जायसवाल व भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

आदिमजाती मीणा विकास एसोसिएशन ट्रस्ट ने की मायखोप जि.प.स्कूल में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। आदिमजाती मीणा विकास एसोसिएशन ट्रस्ट, मुंबई की ओर से दिनांक 5 अगस्त, मंगलवार को पालघर जिला परिषद मराठी विद्यालय, मायखोप (केंद्र - केलवे) में विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उपयोगी सामग्री, कपड़े, जूते व अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे शाला के प्रार्थना सभागृह में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारी घनश्याम मीणा, हंसराज मीणा ,संजय मीणा, पूरनचंद मीणा, देवीलाल मीणा, किरोडीलाल मीणा, घेरालाल मीणा, नंदलाल मीणा, रामलाल मीणा, मुकेश मीणा,रामधन मीणा,समयसिंह मीणा, ओमप्रकाश मीणा सहित बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला उपस्थित थे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विद्यालय उपयोगी स्टेशनरी, कपड़े, जूते एवं प्रेरणादायक पुस्तकें वितरित की गईं। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा वाचन संस्कृती (पठन संस्कृति) को प्रोत्साहित करने हेतु पुस्तकों के वाचन से की गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि निर्माण करना तथा शिक्षा का महत्व समाज में फैलाना था।

इस अवसर पर स्कूल के मुख्याध्यापक प्रवीण पाटील द्वारा बोईसर -पालघर पत्रकार संघ (रजि.)के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला एवं लेखक व साहित्यकार संजय पाटील को साफा बांधकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यालय प्रबंधन समिती के अध्यक्ष संतोष पाटील व मनोज पाटील ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत मायखोप ग्रामपंचायत सीमा के अंतर्गत आने वाले आंबेवाडा के स्कूल तथा अंगणवाड़ी केंद्रों के विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस दौरान बालवाडी की शिक्षिका विशाखा किणी, छाया भोईर, ममता पाटील तथा मायखोप स्कूल की शिक्षिका प्रिया भोईर, सुजाता राऊत, ग्राम पंचायत उपसरपंच स्वप्निल भोईर व सदस्य सिद्धी पाटील भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की, वहीं अभिभावकों व शिक्षकों ने ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक व शैक्षणिक उपक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।कार्यक्रम का सूत्र संचालन मुख्य अध्यापिका प्रीती पाटील ने किया। इस मौके पर ट्रस्ट की ओर से दो स्कूलों को अलमारी भी भेंट की गयी।

अजय चेरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से बच्चों को साहित्य सामग्री वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था अजय चेरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों को अध्ययन में उपयोग होने वाली नोटबुक, फाइल के अलावा कई अन्य सामग्रियों को अंधेरी पूर्व 79 वार्ड में पंप हाउस के मनीष पार्क में सोमवार को वितरित किया गया। जहां पर सैकड़ो विद्यार्थियों ने इसका लाभ उठाया। और साथ ही साथ बच्चों को उपहार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष व मुंबई भाजपा सचिव अजय तिवारी ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के लिए अच्छे संसाधन मिले तो उनका हौसला बढ़ता है। और उनके अंदर निखार भी आता है। बच्चें तो हमारे देश के भविष्य है।उन्होंने आगे कहा कि हमारा ट्रस्ट बच्चों के शिक्षा के प्रति सदैव सक्रिय रहेगा।

और उनकी मदत भी करती रहेगी।अंत में बच्चों के पैरेंट्स के प्रति भी तिवारी ने आभार प्रकट किया। और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व ट्रस्ट के कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

माटुंगा ईस्ट में माता की चौकी व सुंदरकांड का भव्य आयोजन संपन्न

संजय मिश्रा

माटुंगा, मुंबई (उत्तरशक्ति)। सावन के पवित्र सोमवार को माटुंगा ईस्ट में माता की चौकी और सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में माटुंगा और आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। महिला, पुरुष, युवा और बच्चे सभी ने माता के दर्शन किए और सुंदरकांड पाठ का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण यह रहा कि समाज के हर वर्ग और जाति से ऊपर उठकर लोग माता के दरबार में एक साथ श्रद्धा भाव से शामिल हुए। आयोजन के मुख्य सहयोगी चेतन त्रिवेदी ने बताया कि यह आयोजन एकता, भक्ति और संस्कारों का प्रतीक है। विशेष रूप से कॉलेज के छात्रों में माता के प्रति जो श्रद्धा और उत्साह देखा गया, वह सराहनीय था।

स्थानीय रहिवासियों और आगंतुकों ने यह इच्छा व्यक्त की कि ऐसा आयोजन हर साल सावन मास में नियमित रूप से किया जाए, जिससे समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना बनी रहे। माता की चौकी और सुंदरकांड आयोजन की सफलता के पीछे कई कार्यकताओं की कड़ी मेहनत रही। जिनमें प्रमुख रूप से चेतन त्रिवेदी, भारत चौरसिया, अनिल पटेल, प्रशांत गुर्जर, जितेंद्र शाह, केतन शाह, और बालू मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में कालिदास कोलंबोकर (वडाला विधानसभा), कैप्टन तमिल सेल्वन (कोलीवाडा विधानसभा), मनीषा कांदे, श्रद्धा जाधव (शिवसेना, उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट), स्नेहल जाधव (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेवा), कमलेश पटेल, संजय मिश्रा, आशीष विलंकर, गोवर्धन चौहान, विनय कटनी, जिनेश भेदा, गौरव दुबे, सुनील गुप्ता, संदेश घरत, वैभव, प्रसाद सराफ, प्रकाश पाटिल, संदीप चिवट, विश्वास निमकर, भारत शुक्ला, प्रेम त्रिपाठी सहित कई गणमान्य जन शामिल थे।

पूरे कार्यक्रम में भक्ति, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण और माता के जयकारों के साथ हुआ।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों की खैर नहीं, रात में विजिट पर निकले संजय उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आम जगहों पर शराब सेवन पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने ट्विटर पर एक वीडियो डाला है, जो महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा रहा है। ज्ञात हो कि बोरीवली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने रेलवे ब्रिज पर दौरा कर उसका वीडियो ट्विटर पर डाला है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि रेलवे ब्रिज पर शराबियों ने बड़े पैमाने पर शराब की बोतलें रखी है। इससे स्पष्ट है कि इस ब्रिज का उपयोग शराबियों द्वारा शराब पीने के लिए बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।इस मामले के बारे में पूछे जाने पर विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि मैं हमेशा से सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने का विरोध कर रहा हूं। अपनी विधानसभा में मैंने सुनसान रास्तों पर, उद्यानो के पास और शराब की दुकानों के बाहर शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई कराई है। रेलवे ब्रिज पर शराबियों द्वारा शराब पीने की शिकायत कई बार मिल रही थी। इसीलिए आज मैंने रेलवे ब्रिज का दौरा किया और शिकायत को सही पाया।ह्वसंजय उपाध्याय ने यह भी कहा कि रेलवे ब्रिज पर खुलेआम शराबियों द्वारा शराब सेवन से वहां से गुजरने वालों माताओं-बहनों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। मैंने रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस अधिकारियों से भी मामले की शिकायत की है और सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।

एटीम तोड़कर चुराने गए पैसे - पहुंचे जेल

सीसीटीवी के माध्यम से कुछ ही घंटो में दो लोग गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम में अत्रे हॉल स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में दो अज्ञात व्यक्तियों ने एटीएम से पैसे चुराने के इरादे से पत्थर की मदद से उक्त एटीएम को तोड़ दिया, लेकिन वे एटीएम से पैसे नहीं निकाल सके। एटीएम को तोड़ते समय अज्ञात व्यक्तियों ने एटीएम को लगभग दो लाख का नुकसान पहुँचाया था। इस संबंध में, सेंट्रल बैंक के प्रबंधक द्वारा दी गई शिकायत पर, बाजारपेट पुलिस स्टेशन मामला दर्ज किया था। एसीपी कल्याणजी घेटे के मार्गदर्शन में घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत अंधाले के नेतृत्व में पुलिस कांस्टेबल प्रेम बागुल, एवं जांच टीम ने बाजारपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर प्रभावी ढंग से गश्त की और बाजारपेट पुलिस स्टेशन के फुटेज में दिख रहे दो आरोपी मंगेश भीमराव जगताप उम्र 36 वर्ष और आरपी नौशाद अहमद अंसारी उम्र 22 वर्ष को गिरफ़्तार किया। आगे की पूछताछ के बाद, उन्होंने अपराध कबूल कर लिया और बाजारपेट पुलिस स्टेशन कुछ ही घंटों में अपराध का खुलासा करने में सफल रहा।

ग्लोबल फ्राईड चिकन कंपनी पोपेयेज ने मुंबई में अपने चार स्टोर लॉन्च किए

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व के पसंदीदा फ्राईड चिकन ब्रांड, पोपेयेज ने मुंबई के अलग-अलग स्थानों पर अपने चार नए रेस्टोरेंट शुरू किए हैं। महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थित ये स्टोर भारत की कमर्शियल कैपिटल, मुंबई में ब्रांड के मशहूर लुसियाना स्टाईल के फ्राईड चिकन लेकर आए हैं।

जुबिलैंट फूडवर्क्स लिमिटेड द्वारा संचालित, पोपेयेज में ज्यूसी फ्राईड चिकन मिलता है, जो बोल्ड कैजुन मसालों के साथ 12 घंटे तक मैरिनेट किया जाता है और फिर हाथों से बैटर करके परफेक्ट स्वाद उत्पन्न किया जाता है। इस सिग्नेचर प्रिपरेशन के बाद हर बाईट ऐसा बोल्ड फ्लेवर प्रदान करती है, जिसका स्वाद आपका मन मोह लेगा। इसी स्वाद के कारण पोपेयेज बाजार में अन्य कंपनियों से अलग और बेहतर है। लुसियाना फ्लेवर का यह प्रसिद्ध और बेहतरीन स्वाद अब भारत में मुंबई के चिकनप्रेमियों को मिल सकेगा।

मुंबई के इन नए स्टोर्स में पोपेयेज के मेन्यू से सबसे अधिक बिकने वाले चिकन सैंडविच, सिग्नेचर फ्राईड चिकन और हॉट एंड मेसी चिकन मिलेंगे, जिन्हें लोग बहुत ज्यादा पसंद करते हैं। इस साल पोपेयेज ने छः बोल्ड अंतर्राष्ट्रीय फ्लेवर्स में फ्लेवर्ड विंग्स भी पेश किए, जो लोगों को इतने अधिक पसंद आए कि वो मेन्यू में सबसे अधिक बिकने वाले फूड आईटम्स में से एक बन गए। इस मेन्यू में स्वादिष्ट वेजिटेरियन बर्गर भी शामिल हैं। इन रेस्टोरेंट में हर फूड आईटम को ताजा बनाया जाता है, ताकि हर ऑर्डर के लिए लजीज स्वाद और बेहतरीन क्वालिटी सुनिश्चित हो सके। जुबिलैंट फूडवर्क्स लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी, समीर खेत्रपाल ने कहा, हम मुंबई में पोपेयेज की शुरूआत के लिए बहुत उत्साहित हैं।

यह शहर लजीज और विभिन्न तरह के फ्लेवर्स के प्रति अपने प्रेम के लिए मशहूर है।

भारत में इस ब्रांड को शानदार प्रतिक्रिया मिली है और हमें विश्वास है कि मुंबईवासी इन सिग्नेचर फूड आईटम्स को उसी उत्साह के साथ बहुत अधिक पसंद करेंगे। हम क्वालिटी, बोल्ड फ्लेवर और बेहतरीन सर्विस पर ध्यान केंद्रित करते हुए लोगों को पोपेयेज की वैश्विक विरासत के अनुरूप डाईनिंग का यादगार अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।

टोयोटा इनोवा ने भारत में 20 शानदार साल पूरे किए

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत में टोयोटा इनोवा की 20 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा का जश्न मनाया। बीते दो दशकों में इनोवा एक ऐसा नाम बन चुकी है, जिसे भारतीय परिवारों और व्यवसायों ने अपने भरोसेमंद साथी की तरह अपनाया है। इनोवा, इनोवा क्रिस्टा और इनोवा हाईक्रॉस झ इन तीनों मॉडलों की अब तक कुल 12 लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं, जो ग्राहकों के विश्वास और इस ब्रांड की दीर्घकालिक उपयोगिता का प्रमाण हैं।

इन वर्षों में इनोवा ने लगातार खुद को बदला है झ ग्राहकों की बदलती जरूरतों और उम्मीदों के साथ कदम मिलाते हुए। लेकिन इसकी मूल पहचान, यानी गुणवत्ता, मजबूती और विश्वसनीयता, आज भी उतनी ही सशक्त है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उन अनगिनत यादों और सफरों का उत्सव है, जिनमें इनोवा हर कदम पर साथ रही।

टोयोटा इनोवा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री वरिंदर वाधवा, वाइस प्रेसिडेंट झ सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, ह्लटोयोटा इनोवा ने पिछले 20 वर्षों में भारतीय ग्राहकों के साथ न सिर्फ एक व्यावसायिक, बल्कि गहरा भावनात्मक रिश्ता बनाया है। यह सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि हर परिवार की भरोसेमंद हमसफर बन चुकी है – जिसकी आरामदायक सवारी और अद्वितीय विश्वसनीयता को हर पीढ़ी ने अपनाया है।

चाहे रोज का सफर हो या कोई यादगार रोड ट्रिप, इनोवा हमेशा साथ रही है। इसके विशाल और आरामदायक इंटीरियर्स, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस ने इसे भारत की सबसे पसंदीदा टढश२ में जगह दिलाई है। साथ ही, इसने क्वॉलिटी और परफॉर्मेंस के मामले में अपने सेगमेंट का बेंचमार्क भी तय किया है।ह्व

पिछले दो दशकों में टोयोटा इनोवा ने भारतीय ऑटोमोटिव दुनिया में नवाचार और ग्राहक-के-?द्रित बदलाव की मिसाल कायम की है। 2005 में लॉन्च हुई इनोवा ने अपनी बेहतरीन राइड कम्फर्ट, विशाल इंटीरियर्स, मजबूत बॉडी-ऑन-फ्रेम स्ट्रक्चर और एडवांस सेफ्टी फीचर्स के साथ टढश सेगमेंट की परिभाषा ही बदल दी। 2016 में इनोवा क्रिस्टा के रूप में ब्रांड ने एक बड़ा कदम उठाया – नए डिजाइन, दमदार इंजन, प्रीमियम फीचर्स और बेहतर सुरक्षा के साथ यह अनुभव को एक नई ऊंचाई पर ले गया।

इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, 2022 में इनोवा हाईक्रॉस की लॉन्चिंग ने सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी की दिशा में एक बड़ा बदलाव पेश किया।

ग्राहक की बदलती जरूरतों और उनकी पसंद को समझते हुए डिजाइन की गई हाईक्रॉस ने कम्फर्ट, परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी के नए मानक तय किए – साथ ही वह भरोसा और स्पेस भी बरकरार रखा जिसने इनोवा को हर घर की पहली पसंद बना दिया।

टोयोटा इनोवा की सफलता की सबसे बड़ी वजह है – कम्फर्ट, उपयोगिता और अनुकूलता का बेहतरीन मेल। समय के साथ टोयोटा ने ग्राहकों की बातों को गंभीरता से सुना है और सुरक्षा, कनेक्टिविटी और सुविधा को बेहतर बनाने वाले कई बदलाव किए हैं – वह भी उस सहज ड्राइविंग अनुभव को बनाए रखते हुए, जिसने इनोवा को हर पीढ़ी की पसंद बनाया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरसंड का किया औचक निरीक्षण, दवाओं की उपलब्धता की ली जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरसंड, गौराबादशाहपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फार्मासिस्ट रीता गौतम से दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। फार्मासिस्ट ने बताया कि सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध है। ओपीडी में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि डा0 रमेश चंद्र, दिनेश सरोज, डा0 श्वेता यादव ओपीडी में मरीज देख रहे थे।जिलाधिकारी के द्वारा मरीजो से स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई, उन्होंने मरीजों से पूछा कि डाक्टर के द्वारा बाहर की दवा लिखी जाती है कि नहीं जिस पर मरीजों के द्वारा बताया गया कि अस्पताल में ही दवा उपलब्ध कराई जाती है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र पर एंटीवेनम और एंटीरेबीज के इंजेक्शन की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली जिस पर उन्हें अवगत कराया गया कि एंटीवेनम और एंटी रेबीज इंजेक्शन पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील न होने के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा बी फार्मा के प्रशिक्षुओं से भी वार्ता की गई, उन्हें हर घर तिरंगा कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने लैब टेक्नीशियन विक्रम से जांचों के सम्बन्ध में जानकारी ली। लेबर रूम में जाकर व्यवस्थाओं को देखा और पूछा कि महीने में कुल कितनी डिलीवरी होती है जिस पर डा0 रमेश ने बताया कि लगभग 50 डिलीवरी की जाती है। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सकों को निर्देशित किया कि समय से स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित होकर मरीजों का अच्छे से इलाज किया जाए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे।

इस सप्ताह से शुरू हो सकता है दालमंडी में मुआवजा वितरण, 186 लोगों को मिलेंगे 191 करोड़ रुपये

चौड़ीकरण परियोजना के लिए जारी हुआ वर्कऑर्डर, बारिश के बाद सड़क निर्माण कार्य होगा शुरू

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।शहर के घनी आबादी और व्यापारिक क्षेत्र दालमंडी के चौड़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जिला प्रशासन इस सप्ताह से मुआवजा वितरण प्रक्रिया शुरू कर सकता है।इस परियोजना के अंतर्गत कुल 186 भवन स्वामियों को रू0 191 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।प्रशासन की ओर से मुआवजे की अंतिम सूची तैयार कर ली गई है, और प्रभावित लोगों को सूचित कर दिया गया है कि वे अपने भू-स्वामित्व और भवन संबंधित कागजात जमा कर मुआवजा प्राप्त कर सकते हैं। कई लोगों ने जिला अधिकारियों से संपर्क कर दस्तावेजों और प्रक्रिया की जानकारी भी ली है। मुआवजे के लिए जमीन/भवन की रजिस्ट्री या दाखिल खारिज प्रमाणपत्र, पहचान पत्र (आधार/पैन), बैंक पासबुक की कॉपी और नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (यदि साझा स्वामित्व है) जैसे अहम दस्तावेज जरूरी होंगे।

काम कब शुरू होगा: सीएम योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है कि बारिश के बाद ही दालमंडी चौड़ीकरण का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। वर्कऑर्डर जारी हो चुका है, और प्रशासन का लक्ष्य है कि मुआवजा वितरण के तुरंत बाद निर्माण कार्य की प्रक्रिया आरंभ हो।

प्रारंभिक चरण में कुछ लोगों ने चौड़ीकरण को लेकर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में याचिकाएं डाली थीं।लेकिन अब वे सभी याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। क्षेत्र के व्यापारी और नागरिक अब आपसी सहमति से मुआवजा लेकर प्रक्रिया को समर्थन दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दालमंडी चौड़ीकरण का शिलान्यास पहले ही कर चुके हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बारिश के बाद कार्य शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

जलालपुर पुलिस ने दो वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।थाना जलालपुर पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र राजेपुर बाजार में मौजूद थी। कि दो व्यक्ति हरिपुर के तरफ से भगरी की तरफ अपने सफेद रंग की अपाचे बाईक से आ रहे थे। जिन्हे इशारा करके रुकने के लिए कहा गया तो दोनो व्यक्ति भागने लगे। जिन्हे सई नदी पुलिया से कुछ आगे उदपुर की तरफ हिकमत अमली से पकड़ लिया गया। पकडे गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो पहले व्यक्ति ने अपना नाम पता साहिल कुमार उर्फ बाला पुत्र शंकर खरवार निवासी भगरी थाना जलालपुर जनपद जौनपुर बताया। जामा तलाशी से 1500/- रुपया बरामद हुआ तथा दूसरे व्यक्ति ने अमित यादव उर्फ गोलू पुत्र पीयूष कुमार यादव निवासी भगरी थाना जलालपुर जनपद जौनपुर बताया जिसके पास से 2000/- रुपया तथा एक मोटर साइकिल अपाचे यूपी62 सीडब्ल्यू 5068 बरामद हुआ।उपरोक्त आरोपी थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 239/2025 धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित है।

एम.एस.सी. रसायन विज्ञान में आरक्षित श्रेणी के लिए प्रवेश का सुनहरा अवसर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के परिसर स्थित रसायन विज्ञान विभाग में एम.एस.सी. रसायन पाठ्यक्रम सत्र 2025-2027 के लिए आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को प्रवेश का एक और अवसर प्रदान किया जा रहा है।विभागाध्यक्ष डॉ.प्रमोद कुमार ने जानकारी दी कि प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में पीयूकैट-2025 के अंतर्गत संपन्न हुई प्रथम चरण की काउंसलिंग में अनारक्षित श्रेणी की सभी सीटें पूर्णतः भर चुकी हैं। हालांकि, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी एवं एसटी वर्गों की कुछ सीटें अब भी रिक्त हैं। ऐसे में इन वर्गों के पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 11 अगस्त, 2025 तक विभाग में संपर्क कर प्रवेश ले सकते हैं। गौरतलब है कि प्रथम वर्ष की कक्षाएं भी 11 अगस्त, 2025 से विधिवत प्रारंभ हो रही हैं।

सारनाथ पुलिस ने देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ संदिग्ध को पकड़ा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।सारनाथ पुलिस ने 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम लला गुप्ता बताया जा रहा है। थाना प्रभारी सारनाथ और चौकी प्रभारी सरायमोहना अनुज कुमार शुक्ला की तत्परता से आरोपी युवक को किया गिरफ्तार। विधिक कार्यवाही करते हुए पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को जेल भेज दिया गया।

हाईकोर्ट से तामीर हसन शीबू को बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर रोक

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोर्ट नंबर 43 में चल रही आपराधिक विविध रिट याचिका संख्या 16184/2025 की सुनवाई में इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने तामीर हसन उर्फ शिबू के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्देश पारित किए हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने साफ तौर पर कहा कि याचिकाकर्ता को जांच पूरी होने तक अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए, और यदि गिरफ्तारी की आवश्यकता हो, तो वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही की जाए।

मामला कोतवाली जौनपुर में दर्ज अपराध संख्या 211/2025 से जुड़ा है। जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 308(2), 75(1), 352 और 351(3) लगाई गई थीं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार और बलदेव शुक्ला, जबकि राज्य की ओर से अपर सरकारी अधिवक्ता आसिफ अकबर ने पक्ष रखा।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर न्यायालय ने जताया विश्वास:

कोतवाली पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई कर अदालत का भरोसा जीता

हाईकोर्ट ने यह भी माना कि मामले में दर्ज सभी धाराएं सात वर्ष से कम सजा वाली हैं। इसलिए गिरफ्तारी को अंतिम उपाय के रूप में ही अपनाया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह निर्देश भी दिया कि जब तक जांच पूरी न हो, कोतवाली पुलिस याचिकाकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न करे।

कोतवाली पुलिस द्वारा अब तक की गई कार्यवाही को लेकर न्यायालय ने संतोष जताया।जिससे यह स्पष्ट होता है कि पुलिस ने पूरी ईमानदारी व निष्पक्षता के साथ मामले को हैंडल किया है।

तामीर हसन शीबू का बयान: मामले में राहत मिलने के बाद तामीर हसन उर्फ शिबू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझ पर बेबुनियाद आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया गया था। लेकिन मुझे शुरू से न्यायपालिका पर भरोसा था। कोतवाली पुलिस ने भी निष्पक्ष रवैया अपनाया,जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। मेरा पूरा सहयोग आगे भी जांच एजेंसियों को रहेगा। मैं न्याय की उम्मीद में था और आज मुझे राहत मिली है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक कोई ठोस आधार न हो, तब तक याचिकाकर्ता को किसी भी प्रकार से परेशान न किया जाए। गिरफ्तारी तभी की जाए जब वह न्यायोचित रूप से आवश्यक हो।

यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार (एक्स) व न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की पीठ द्वारा दिनांक 5 अगस्त 2025 को पारित किया गया। यह रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत आदेश एवं अभिलेखों के आधिकारिक दस्तावेजों पर आधारित है। इसमें दी गई जानकारी निष्पक्ष रूप से पाठकों के समक्ष रखी गई है, जिसका उद्देश्य केवल सूचना देना है।

पर ड्राप मोर क्राप (माइक्रोइरीगेशन) योजनान्तर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डा॰ सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि 05 अगस्त 2025 को पर ड्राप मोर क्राप (माइक्रोइरीगेशन) योजनान्तर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा मे किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग द्वारा संचालित योजना पर ड्राप मोर क्राप योजना के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गयी। योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग को 2065 हेक्टेयर के लक्ष्य प्राप्त हुए है। योजनान्तर्गत ड्रिप व मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई सयन्त्र की स्थापना पर लघु सीमान्त कृषक को 90 प्रतिशत व पोर्टेबल स्प्रिंकलर, रेनगन पर 75 प्रतिशत तक अनुदान की सुविधा उपलब्ध है। मिनी व ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाकर श्रम की बचत, पानी की बचत कर उत्पादन बढाकर किसान अपनी आय को बढा सकते है। किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे इस वैज्ञानिक विधि को अपनाएं और अपनी फसल को सुरक्षित व लाभकारी बनाएं। योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जायेगा। कृषको से अपील है कि आनलाइन नचउपच पोर्टल पर पंजीयन कराये अथवा अधिक जानकारी हेतु कार्यालय मे सम्पर्क कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ॰ सुरेश कुमार कन्नौजिया, द्वारा वैज्ञानिक विधि से मशरूम की खेती तथा हाईटेक नर्सरी से पौध बुक करने सम्बन्धित जानकारी दी गयी। डा॰ राजीव कुमार सिंह द्वारा नवीन वैज्ञनिक तकनीकी के माध्यम से सब्जी की खेती, डा॰ श्रीमती प्रगति यादव डा॰ रूपेश सिह द्वारा कीट एवं रोग से बचाव के विषय मे विस्तार से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर राजकुमार सिंह, प्रभारी योजना सहित सम्मानित कृषक एवं आगन्तुक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बिजली बकायेदारों के 56 कनेक्शन हुए चेक, बकाया होने पर 11 लोगों का काटा कनेक्शन

बिजली विभाग ने बकाया एक लाख इकतालीस हजार किया वसूल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।

बुधवार को विद्युत विभाग द्वारा चलाये जा रहे बिजली बिल बकायेदारों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया।जिससे नगर में बकायेदारों में हड़कम्प मचा रहा।

एसडीओ धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व नगर के आजमगढ़ रोड पर बिजली बिल के बकायदारों के कनेक्शन किये गए जिसमे कुक 56 कनेक्शन चेक किये गए।और लगभग कुल मिलाकर ढाई लाख बकाया बिजली बिल होने के कारण 11 बिजली कनेक्शन का विच्छेदन किया गया।एवं मौके पर बड़े बकायेदारों से विद्युत विभाग ने कुल 1 लाख 41 हजार रुपया वसूल किया गया।

चेकिंग अभियान से नगर के विभिन्न हिस्सों में अफरा तफरी का माहौल देखने को मिला। चेकिंग टीम में विद्युत विभाग के जेई राजकुमार सिंह, सन्तोष, शंकर प्रसाद, एवं आरपी गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

महराजगंज में क्षेत्र पंचायत की बैठक में पेश हुआ 1.30 करोड़ रुपए का बजट

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकास खंड के सभागार में मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया। इस बजट का उद्देश्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देना और जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना है।

बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र प्रमुख श्रीमती माण्डवी सिंह व प्रमुख प्रतिनिधि भाजपा नेता विनय कुमार सिंह ने की। विनय कुमार सिंह ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि इसका उद्देश्य प्रत्येक गांव में विकास की रोशनी पहुंचाना है।

बैठक में उपस्थित खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार मौर्या ने बताया कि दिव्यांग, विधवा, दैवी आपदा व पात्र ब्यक्ति जैसे असाध्य रोगी जो मुख्यमंत्री आवास की पात्रता रखते हैं उन्हे सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आवास दिया जायेगा।उन्होंने बताया कि क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क निर्माण, नाली सफाई, पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता जैसे बुनियादी विषयों को केंद्र में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाएगा। सीएचसी अधीक्षक डा॰ राजेन्द्र प्रसाद ने महीने की तारीख 1,9,16,24,को सीएचसी महराजगंज पर अल्ट्रासाऊंड समेत अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी जांच निशुल्क होती है।

बैठक में सीएचसी अधीक्षक ने गर्भवती महिलाओ पर विशेष जोर देते हुए प्रसव सरकारीअस्पताल पर ही कराने की अपील किया। बैठक में खराब सड़कों, नाली की जाम स्थिति, जलभराव, प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर स्थिति और ग्रामीण अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी जैसे मुद्दों को उठाया गया। इन सभी समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों ने उन्हें आगामी योजनाओं में शामिल करने का आश्वासन दिया। बैठक में ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों, बीडीओ और अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ ग्रामीणों की भागीदारी भी रही,जिससे बैठक का माहौल पूरी तरह लोकतांत्रिक और संवादात्मक रहा। ग्रामीणों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिन्हें अधिकारियों ने गंभीरता से लिया।

प्रमुख प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह ने कहा, हमारी प्राथमिकता है कि बजट का हर एक पैसा धरातल पर दिखाई दे क्षेत्र की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि विकास कार्यों में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। बैठक का संचालन एडीओ आईएसबी संजय कुमार श्रीवास्तव ने किया बैठक में क्षेत्रीय विधायक प्रतिनिधि गंगा प्राद सिंह एडीओ पंचायत उमेन्द्र यादव, सीडीपीओ गीता भारती एडीओ कृषि अनिल कुमार, लेखाकार दिनेश गुप्ता, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पंकज सिंह, सचिव संतोष दुबे, बीडीसी किरन यादव, दीपचन्द, दुर्गेश सिंह, प्रधान अवनीश दुबे, रामसेवक, अम्बीश यादव अनिलकुमार बृजलाल श्याम मिश्रा समेत सैकडो प्रधान बीडीसी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्कूलों में देशभक्ति की गूंज, निकाली गई तिरंगा रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में परीषदीय विद्यालयों के बच्चों के द्वारा तिरंगा यात्रा निकाल कर लोगो के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के साथ ही भारत को आजादी दिलाने में जिन वीर शहीदों ने अपने प्राण न्यौछावर किये है, उन्हे याद भी किया जा रहा है।अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत आज जनपद के विभिन्न विद्यालयों में देशभक्ति पर आधारित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय, अमरौना डोभी, कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय डोभी में छात्रों द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई तथा कला एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। कम्पोजिट विद्यालय सबरहद में रंगोली बनायी गयी। कंपोजिट विद्यालय रन्नो के द्वारा क्राफ्ट मेकिंग कार्यशाला आयोजित की गयी।कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, मुफ्तीगंज में छात्राओं ने तिरंगे पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी सृजनात्मकता प्रदर्शित की। युपीएस बदलापुर सिरकोनी के बच्चों द्वारा सैनिकों व पुलिसकर्मियों के लिए बनाई गई राखियाँ डाक द्वारा भेजी गई। चित्रकला, रंगोली एवं राखी बनाने की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कई विद्यालयों में बच्चों द्वारा सैनिकों व पुलिसकर्मियों के लिए बनाई गई राखियाँ डाक द्वारा भेजी गईं। तिरंगा रैली के दौरान बच्चों ने 'भारत माता की जय वन्दे मातरम एवं इंकलाब जिंदाबाद' जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति से भर दिया। इसी क्रम में जीजीआइसी मछलीशहर,राजकीय उच्चतर विद्यालय उत्तरगांवा धमापुर, जीएचएस नरहन केराकत, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर सिकरारा सहित अन्य माध्यमिक विद्यालयों में भी तिरंगा रैली, पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में मदरा अबरे रहमत मझगंवाकला, जौहरूल उलुम मडियाहूं सहित अन्य मदरसों में भी बच्चों के द्वारा तिरंगा रैली निकाली गयी। जनपद में जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चन्द्र के निर्देशन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में समस्त परिषदीय विद्यालयों,माध्यमिक विद्यालयों, मदरसों आदि में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भव्य आयोजन किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम में पूरे उत्साह और लगन के साथ तिरंगा रैली, पेंटिंग और रंगोली बनाने और हमारे राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में बताने का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए उन्होने सभी को हार्दिक शुभकामनाए दी है। शिक्षकों से कहा है कि बच्चों के अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित करते हुए हर घर तिरंगा कार्यक्रम का सफल बनाएगे।

देवर के साथ फरार हुई चार बच्चों की मां, एक दिन बाद थाने पर हुई पंचायत

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार को 32 वर्षीय विवाहिता अचानक अपने प्रेमी देवर के साथ फरार हो गई, जिससे पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। महिला के पति ने जब पत्नी को घर पर ना पाकर आसपास और रिश्तेदारों में खोजबीन चालू कर दी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। लेकिन ड्रामा चालू हुआ अगले दिन यानि मंगलवार को विवाहिता थाने पहुंची और पुलिस से गुहार लगाते हुए घर वापसी के लिए दबाव बनाती रही। इसको लेकर थाने में घंटों पंचायत चली। चार बच्चों की मां सोमवार को घर से फरार हुई थी। वहीं मंगलवार को खुद मिजार्मुराद थाने पहुंची और वहां मौजूद महिला दरोगा से मिलकर रोते हुए आप बीती सुनाई कि वह अपनी मर्जी से गई थी और उसे कोई जबरदस्ती नहीं ले गया था । उसने कहा कि वह अब लौटना चाहती है। मौके पर मौजूद उसके पति ने भावुक होकर पत्नी को माफ करने और उसे वापस घर लाने के लिए तैयार हो गया लेकिन इस फैसले का परिवार के अन्य सदस्यों ने कड़ा विरोध किया। विवाहिता के ससुर इसके लिए राजी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जिसने पूरे परिवार की प्रतिष्ठा को धूमिल किया, उसे बहू के रूप में स्वीकार करना अब संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज और रिश्तेदारों के सामने जो बदनामी हुई है। उसे माफ नहीं किया जा सकता। थाने पर मौजूद अन्य लोगों और पुलिसकर्मियों ने भी ससुर को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे अपने फैसले पर अड़े रहे। इसको लेकर थाने पर पंचायत चलती रही।

केंद्रीय परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री से सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने की मुलाकात, विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

वसई रोड। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर तारापुर परमाणु ऊर्जा परियोजना (टीएपीएस - एनपीसीआईएल) से प्रभावित गाँवों के समग्र विकास और परियोजना प्रभावित कर्मचारियों की पेंशन योजना को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की। सांसद ने विशेष रूप से डीसीपीएस (परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना) में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि 1 सितंबर 1987 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को भी पेंशन का लाभ मिलना चाहिए, ताकि इस असमानता को दूर किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने एनपीसीआईएल की सीएसआर निधि का पूरा उपयोग केवल तारापुर परियोजना से प्रभावित गाँवों जैसे अकरपट्टी, पोफरान, उम्भाट आदि के बुनियादी विकास जैसे सड़क, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और नालियों के लिए समर्पित करने की भी मांग की। सांसद ने कहा कि इन गाँवों ने देश की ऊर्जा जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, अतः उन्हें न्याय मिलना चाहिए और एनपीसीआईएल को अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी पूरी करनी चाहिए।

शिक्षा विभाग के कार्यों में निष्पादन तेजी लाने को बीईओ ने एच एम को निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय प्रखंड के बीआरसी भवन में बुधवार को प्रखंड के संकुल संसाधन केंद्रों के प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षकों की बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता बीईओ राजकुमार उपाध्याय ने किया। जिसमें विभागीय कार्यों के तेजी से निष्पादन करने को लेकर एचएम को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बीईओ श्री उपाध्याय ने नव पदस्थापित प्रधान शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के प्रभार संबंधी मामलों की समीक्षा की। इसके अलावा विद्यालय शिक्षा समिति के गठन की जानकारी प्राप्त की गई। वही विद्यालय में वर्तमान में पदस्थापित शिक्षकों का ब्यौरा प्राप्त किया गया। उन्होंने विद्यालय परिसर एवं कार्यावधि में शैक्षणिक गतिविधियों की अनिवार्यता एवं अनुशासन बनाये रखने का सभी एचएम से आग्रह किया। मौके पर सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अक और टछ के मुख्य अतिथि ऋषिकेश पांडे

विरार (उत्तरशक्ति)। विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित सत्र में, मुख्य अतिथि ऋषिकेश पांडे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और मशीन लर्निंग पर एक शानदार चर्चा की। विवा कॉलेज में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होना उनके लिए एक अद्भुत अनुभव था ,और उन्होंने कॉलेज का धन्यवाद किया कि उन्होंने छात्रों के कल्याण के लिए उन्हें इस तरह के अवसर प्रदान किए। इस सत्र में छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे लोग अपने दैनिक जीवन में अकऔर टछ का उपयोग करते समय विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऋषिकेश पांडे ने छात्रों को यह भी बताया कि अकके क्षेत्र में करियर के अवसर कितने व्यापक हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अक और टछ के उपयोग के बारे में जानकारी दी, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वित्त, और परिवहन। उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे ये तकनीकें भारत में विकास और नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। इस सत्र में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने प्रश्न पूछे, जिससे एक संवादात्मक वातावरण बना। यह चर्चा न केवल ज्ञानवर्धक थी, बल्कि छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी। हम विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इस तरह के सत्रों के आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।

12 फीट का निकला अजगर, ग्राम वासियों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने पकड़ा

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बसरही ग्राम सभा के अंबाजी मंदिर से कुछ मीटर की दूरी पर 12 फीट लंबा अजगर के दिखाई देने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। यह एक खेत के मेड़ पर गुफा बनाकर रह रहा था। बुधवार को जब ग्रामीणों की नजर इस अजगर पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से अजगर का सफल रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद वन विभाग ने अजगर को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग के टीम की सराहना की।

दलित बस्ती में मिट्टी की दीवार गिरने से मलवे में दबकर वृद्धा मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सकरा दलित बस्ती में मंगलवार की रात आठ बजे खाना बनाते समय मिट्टी की कच्ची दीवार गिरने से महिला की मलवे में दबकर मौत हो गयी। बताते है कि सकरा गांव निवासी नगड़ू राम की 65 वषीर्या पत्नी कलौता रात में खाना बना रही थी बरसात हो रहा था अचानक भरभरा कर कच्ची मिट्टी की दिवाल गिर गयी जिससे वह उसमें दब गयी परिजन द्वारा शोर मचाने पर ग्रामीण पहुंच कर बड़ी मसक्कत के बाद मिट्टी खोद कर हटाया। तब जाकर शव बाहर निकाला गया। सूचना पर गौराबादशाहपुर थाने की पुलिस पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुचना पर हल्के का लेखपाल व राजस्व की टीम पहुंच कर छानबीन की।

अखिल मुंबई जायसवाल सभा का विद्यार्थी गौरव सम्मान समारोह 2025 संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अखिल मुंबई जायसवाल सभा द्वारा आयोजित विद्यार्थी गौरव सम्मान समारोह 2025 में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। माटुंगा स्थित गुर्जरवाड़ी हॉल में आयोजित इस समारोह में सभा की सहयोगी संस्थाएं – जायसवाल कलवार एकता संस्था (परेल), जायसवाल समाज सेवा संस्था (डोंबिवली) और जायसवाल परिवार फाउंडेशन (ठाणे) भी सहभागी रहीं। सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं और 12वीं में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 100 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी, लैपटॉप बैग, पेन सेट और विविध उपहारों से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर 10वीं और 12वीं के शीर्ष 5-5 विद्यार्थियों को क्रमशः गुलाबचंद जायसवाल स्मृति पुरस्कार तथा श्रीमती पुष्पा देवी जायसवाल स्मृति पुरस्कार के तहत 3000/- की नगद राशि प्रदान की गई। विशेष रूप से, कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रिया कन्हैयालाल जायसवाल को 25,000/- का नकद पुरस्कार एवं भविष्य की शिक्षा हेतु सहयोग की घोषणा की गई।

समारोह की शोभा मुख्य अतिथि पंकज जायसवाल और विशेष अतिथि इकम चंद जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति से और बढ़ गई।

वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती शैलजा मुले ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष श्रीप्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष रोशन जायसवाल, महामंत्री मंदीप जायसवाल और प्रवक्ता अजय जायसवाल की सक्रिय भूमिका रही। वहीं, महिला अध्यक्षा श्रीमती छाया जायसवाल और उनकी टीम ने आयोजन को सुंदर और स्मरणीय स्वरूप प्रदान किया। यह समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रोत्साहन का भी संदेश लेकर आया।

पालघर के प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने की मांग

नालासोपारा विधायक राजन नाइक ने पालक मंत्री गणेश नाइक को सौंपा ज्ञापन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के पालक मंत्री एवं महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक को नालासोपारा के विधायक राजन नाइक ने एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर उनके साथ महेंद्र पाटील और अभय कक्कड़ भी उपस्थित थे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वसई, नालासोपारा और विरार क्षेत्र में विभिन्न प्रशासनिक कार्यालय वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर बिखरे हुए हैं, जिससे नागरिकों को सेवाओं का लाभ उठाने में असुविधा होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए एक भव्य और केंद्रीकृत प्रशासनिक भवन का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि सभी कार्यालय एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें और लोगों को एक छत के नीचे सभी सेवाएं मिल सकें। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने वसई में विशाल न्यायालय भवन के शीघ्र निर्माण की भी मांग की। उन्होंने बताया कि जिले की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, और वर्तमान न्यायिक संरचना नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ है। पालक मंत्री गणेश नाइक ने प्रतिनिधियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के साथ चर्चा कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

एनसीपी को मिला नया राष्ट्रीय प्रशासक

चंदन बोस बने राष्ट्रीय प्रशासक, प्रियंकर सिंह को मिली राष्ट्रीय सह-प्रशासक की जिम्मेदारी

पटना(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए चंदन बोस को पार्टी का राष्ट्रीय प्रशासक नियुक्त किया है। इसके साथ ही, बिहार के मुंगेर जिले से संबंध रखने वाले प्रियंकर सिंह को राष्ट्रीय सह-प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बिहार प्रदेश संयोजक सूर्यकांत कुमार सिंह ने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार, उपमुख्यमंत्री महाराष्ट्र एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल (सांसद, राज्यसभा) के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने चंदन बोस और प्रियंकर सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पार्टी हित में एक सकारात्मक कदम है, जिसका असर आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। प्रदेश महासचिव एवं राज्य प्रमुख, मीडिया सेल, रंजन प्रियदर्शी ने भी इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी में एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। उन्होंने आशा जताई कि इससे बिहार में एनसीपी की संगठनात्मक शक्ति और जनाधार को और मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर प्रदेश के अन्य प्रमुख नेताओं ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रकट कीं, जिनमें पवन मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रभानंद तिवारी, अतुल्य गुंजन, कुमार विशाल, जितेंद्र शुक्ल, मुजम्मिल हुसैन, डॉ. एम. भारती, रामजी रविदास, विजेता विश्वास, किरण सिंह सभी प्रदेश महासचिव, चंदन झा प्रदेश प्रवक्ता, हनी राज सिंह यादव, इमरान आलम प्रदेश अध्यक्ष, युवा राकांपा नियामत पटेल, प्रदेश कार्यकारी छात्र अध्यक्ष, इन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चंदन बोस और प्रियंकर सिंह को हार्दिक बधाई दी और उनके नेतृत्व में पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की कामना की।

वसई रोड पश्चिम में श्रावण रंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन

वसई। श्रावण मास की संगीतमय और साहित्यिक महक से सराबोर श्रावण रंग कार्यक्रम का आयोजन वसई रोड पश्चिम स्थित वाई. एम. सी. ए. हॉल में वसई-विरार नगर निगम, वार्ड समिति ऱएचऱ, नवघर और डॉ. के. बी. हेडगेवार पब्लिक लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस भव्य सांस्कृतिक संध्या में मराठी और हिंदी साहित्य तथा संगीत का मनोरम संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शोभा प्रसिद्ध कवि वैभव जोशी की सशक्त कविताओं, गीतों और भावनाओं से सजी प्रस्तुतियों ने बढ़ा दी।

उनकी भावपूर्ण कविता वाचन और काव्य की गहराइयों ने श्रोताओं के हृदय को छू लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वसई की लोकप्रिय विधायक ताई स्नेहा दुबे पंडित रहीं, जिन्होंने सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा और साहित्यिक गतिविधियों के प्रोत्साहन पर जोर दिया।

उनके साथ वसई-विरार महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत, उपायुक्त प्रशांत जाधव, सहायक आयुक्त संगीता घाडीगांवकर, विश्वनाथ तालेकर, वसई रोड शहर मंडल के अध्यक्ष महेश सरवणकर, मैथ्यू कोलासो, अर्जुन इंगोले, कल्पेश चौहान, कल्पेश पांडे, अक्षय कदम सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में न केवल कविताओं बल्कि मराठी और हिंदी गीतों, संगीत और कथावाचन की विविध प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रावण मास के वातावरण में संगीत और साहित्य की यह संध्या एक यादगार अनुभव बन गई। हजारों की संख्या में उपस्थित वसईकर नागरिकों ने तालियों की गूंज से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कागजों पर हो रही है बाढ़ सुरक्षा और बांध मरम्मत, सरकारी धन का दुरुपयोग

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के करमहना गांव और विकासखंड बलरामपुर क्षेत्र में राप्ती नदी के किनारे बने सरकारी तटबंधों और बांधों की मरम्मत कागजों तक ही सीमित है। बाढ़ खंड और मनरेगा विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से मरम्मत कार्यों का भुगतान तो कर दिया गया है, लेकिन मौके पर कार्य नहीं हुआ। करीब डेढ़ महीने पहले अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में कई जगहों पर बांध खंडित पाए गए थे। तटबंध के किनारे बने नालों में भारी कटान होने से गहरी खाइयां बन गई हैं, जिससे बाढ़ के दौरान आसपास के गांवों को खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में इन खाइयों से पानी का तेज बहाव खेतों में घुस सकता है, जिससे फसलों और घरों को भारी नुकसान हो सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ खंड के ठेकेदार को मरम्मत का कार्य सौंपा गया था, लेकिन अभी तक कोई काम जमीन पर नहीं दिख रहा। केवल कागजों पर कार्य पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया गया है। इससे विभागीय अनियमितताओं की पोल खुल रही है। रास्ते बंद होने से राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मिट्टी कट कर खेतों में भर रही है, जिससे कृषि योग्य भूमि भी बर्बाद हो रही है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह समस्या बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

दो कारो के आमने-सामने टक्कर में सिपाही की मौत, चौकी प्रभारी पत्नी सहित छह घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। चिरईगांव चौबेपुर थाना क्षेत्र के बभनपुरा रिंगरोड पुल पर बुधवार सुबह 9:30 बजे वैगनआर और क्रेटा कार की आमने-सामने टक्कर में भोपौली चौकी पर तैनात सिपाही वीर बहादुर यादव (32) की मौत हो गई। हादसे में चौकी प्रभारी अमित सिंह, उनकी पत्नी रीता सिंह और चालक सोनू पाण्डेय गंभीर रूप से घायल हो गए।क्रेटा कार में सवार मिथिलेश सिंह, उनकी पत्नी अन्नू सिंह और पुत्र काब्यांश को भी गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, चंदौली जनपद के भोपौली चौकी प्रभारी अमित सिंह अपनी पत्नी रीता सिंह, सिपाही वीर बहादुर यादव और चंदौली के कैली गांव निवासी चालक सोनू पाण्डेय के साथ वैगनआर (यूपी 70 एचएच 8632) में सवार होकर बभनपुरा रिंगरोड की ओर जा रहे थे। तभी सन्दहा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही क्रेटा कार (यूपी 65 एफएन 5160) से उनकी गाड़ी की जोरदार भिड़ंत हो गई। वैगनआर को सिपाही वीर बहादुर चला रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।हादसे की सूचना मिलते ही चांदपुर, चिरईगांव और जाल्हूपुर पुलिस चौकी की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने सिपाही वीर बहादुर को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों का इलाज शुरू किया गया। वीर बहादुर यादव लंबे समय से भोपौली चौकी पर तैनात थे और अपनी कार्यशैली के लिए विभाग व क्षेत्र में लोकप्रिय थे। अम्बेडकरनगर जिले के निवासी वीर बहादुर की कुछ महीनों बाद शादी होने वाली थी। उनके असमय निधन से विभाग और परिजनों में शोक की लहर है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बभनपुरा रिंगरोड पुल पर केवल एक लेन चालू है।जहां दोनों दिशाओं के वाहन तेज रफ्तार से चलते हैं। पुल पर न तो गति अवरोधक हैं और न ही ट्रैफिक पुलिस की तैनाती। ग्रामीणों ने ऐसी व्यवस्था की कमी को हादसों का प्रमुख कारण बताया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे की जांच की जा रही है ताकि इसके कारणों का पता लगाया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने किया हेल्थ एंड वेलनेस आरोग्य सेंटर का उद्घाटन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। केंद्र में नरेंद्र मोदी व बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन की सरकार में सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था में बेहतर सुधार हुआ है। वर्ष 2005 से पहले सरकरी अस्पताल में दवा भी मरीजों को मुश्किल से मिलती थी। उक्त बातें बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने महाराजगंज प्रखंड अंतर्गत धोबावलिया में 78 लाख से निर्मित स हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र का उद्घाटन कर जनता को लोकार्पण किया। बताते चले की यह स्वास्थ्य उपकेंद्र केंद्र लगभग 40 वर्षों से महाराजगंज की पूर्व विधायक अनसूया जायसवाल के बंगले में किराए पर चलता आ रहा है। स्वास्थ्य केंद्र को महाराजगंज के वर्तमान विधायक बिहार सरकार के पूर्व मंत्री विजय शंकर दुबे ने स्वास्थ्य केंद्र खोलने की अनुमति दी थी। जनता को अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने पाठ उपकेंद्र पर भी चिकित्सक व जीएनएम की नियुक्ति की गयी होगी। पहले की अपेक्षा स्वास्थ्य विभाग में बेहतर सुधार एनडीए सरकार में हुआ है। अब छोटे-छोटे अस्पतालों में भी मरीज आसानी से स्ट्रेचर पर चिकित्सक तक पहुंच सके, इसके लिए भी अस्पताल में कार्य कराया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने चिकित्सकों की कमी पर कहा कि सरकार को पता है कि अस्पताल में बेहतर भवन का निर्माण तो कराया गया है, लेकिन यहां अब भी चिकित्सकों की कमी है। चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार चरणबद्ध रूप से कार्य कर रही है।सरकार के प्रयास से बच्चों के मृत्यु दर कम हुआ है. पहले एक हजार पर 52 था घटकर 22 हो गया है. सर्वाइकल कैंसर टीका निःशुल्क दिया जा रहा है। एक राष्ट्र एक मिशन, स्वास्थ्य नारी समृद्ध भारत पर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर महाराजगंज के विधायक विजय शंकर दुबे ने कहा इस क्षेत्र के लोगों ने धोबवलिया में स्वास्थ्य उप केंद्र बनाने का आग्रह किया था। हमने बिहार सरकार के स्वास्थ्य राज्य मंत्री रहते 1980 में स्वास्थ्य उपकेंद्र खुलवाया था। लेकिन इस समय इसका भवन नहीं बन पाया था। हमने धोबवलिया में उप स्वास्थ्य केंद्र का भवन बनाने के लिए बिहार सरकार से मांग की थी, हमारे मांग को मानते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने स्वास्थ्य भवन निर्माण की स्वीकृति दी। मौके पर महाराजगंज के पूर्व विधायक हेमनारायण साह, दारौंदा के विधायक कर्णजीत सिंह, बीजेपी जिला मंत्री अवधेश पांडेय, बीजेपी नेता सत्यम द्विवेदी, महाराजगंज के एसडीओ अनीता कुमार, एसडीपीओ अमन कुमार , मंगल पांडे जी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिभावक महाराजगंज के विधायक व मंत्र भारतीय जनता पार्टी सिवान जिला पूर्वी के संगठन

अध्यक्ष रंजीत कुमार गुप्ता, पूर्व कांग्रेसी के जिला अध्यक्ष राजाराम सिंह, श्रीनिवास (सीएस) महाराजगंज के पूर्व प्रमुख इम्तियाज अहमद, सराय पड़ौली के मुखिया मंटू द्विवेदी, रिंसू पांडे, सिकु श्रीवास्तव, रामप्रसाद सिंह कुशवाहा। बीजेपी के जिला मंत्री अवधेश पांडेय, सिविल सर्जन, बीजेपी के महाराजगंज नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, बीजेपी नेत्री सुप्रिया कुमारी, चंचल सिन्हा आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

आदर्श कृषि युवा मंडल ने आयोजित किया एसएससी-एचएससी मार्च 2025 मेधावी छात्र प्रशंसा कार्यक्रम

वडाला, मुंबई। आदर्श कृषि युवा मंडल द्वारा अगस्त माह की 'अग्रसेन' पत्रिका के विमोचन के साथ-साथ एसएससी एवं एचएससी मार्च 2025 के मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह रविवार, 3 अगस्त को वडाला में भारतीय क्रीड़ा मंदिर, सहकार नगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के कोषाध्यक्ष दीपक पाटिल, शुभचिंतक महेश पाटिल, अग्रसेन पत्रिका के स्थानीय संपादक दिलीप पाटिल सहित अन्य गणमान्य सदस्य मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. नितिन जे. मोकल ने मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर और पुणे जिलों के मेधावी छात्रों को नकद राशि और पाठ्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया। आदर्श कृषि युवा मंडल हर वर्ष अगस्त माह में कृषि समुदाय के दानदाताओं द्वारा जमा की गई राशि के ब्याज से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष, वडाला विभाग के लोकप्रिय नगरसेवक व युवा सेना महासचिव अमेय अरुण घोले और श्रीमती कोमल सचिन चौगुले - घोले द्वारा भी छात्रों को उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम में अध्यक्ष गणेश म्हात्रे, तुषार पामले, आरती मोकल, श्रीमती कल्पना पाटेकर और छात्र प्रशंसा समिति के प्रमुख महेंद्र पाटिल समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।